लखनऊ
जागरण सिटी
दैनिक जागरण
लखनऊ, 1 मार्च 2015
www.jagran.com

तकनीक से रूबरू हुए किसान

जासं, लखनऊ : भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित तकनीक काश्तकारों के लिए मददगार साबित हो सकती है। संस्थान में इन तकनीकों को देखकर किसान अभीभूत हो गए।

मौका था गन्ना संस्थान में शुरू हुए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का। कार्यक्रम में बिहार की चीनी मिलों से आए प्रतिनिधियों के अलावा 50 गन्ना किसानों ने हिस्सा लिया। संस्थान के निदेशक डॉ. ओके सिन्हा ने कहा कि किसान संस्थान का अभिन्न अंग हैं। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ.एके साह ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को उन्नत गन्ना तकनीकों पर प्रायोगिक जानकारी देने के लिए

◆ भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षार्थियों को एक दिवसीय बिसवां चीनी मिल, सीतापुर क्षेत्र के गन्ना खेतों का भ्रमण करवाया गया।

गन्ना के साथ मसूर, आलू, धनियां तथा सरसों की फसल देखकर किसानों ने सहफसलों के बारे में जानकारी ली। गन्ना की दो पंक्तियों के बीच मसूर तथा धनियां की दो पंक्तियां, सरसों की एक पंक्ति तथा गन्ने की दो पंक्तियों के मध्य ऊंची बेड पर आलू की खेती बिसवां मिल क्षेत्र के किसान वैज्ञानिक सलाह पर सफलतापूर्वक कर मुनाफा अर्जित कर रहे है।

लखनऊ । रविवार • 1 मार्च • 2015

राष्ट्रीय सहारा

www.samaylive.com

2015-16

राष्ट्रीयता • कर्तव्य • समर्पण

गन्ना अनुसंधान संस्थान की तकनीकों से गदगद किसान

लखनऊ (एसएनबी)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रदर्शित तकनीकों को किसानों के खेतों में देखकर बिहार के किसान गदगद हो उठे। संस्थान में आयोजित पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण बिहार में तिरुपति चीनी मिल, बगहा तथा सिधवलिया चीनी मिल, गोपालगंज क्षेत्र के 50 गन्ना किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण समापन के मौके पर संस्थान के निदेशक डा. ओके सिन्हा ने कहा कि किसान भाई संस्थान के अभिन्न अंग हैं और यह संस्थान किसानों को गन्ना तकनीकों का लाभ पहुंचाने के लिए कई कार्यक्रम करता रहा है।

■ प्रशिक्षण के समापन पर खेतों का भ्रमण कराया गया

संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. एके साह, प्रभारी, प्रसार एवं प्रशिक्षण ने बताया कि कार्यक्रम में किसानों को उन्नत गन्ना तकनीकों पर प्रायोगिक जानकारी देने के लिए एक दिवसीय भ्रमण बिसवां चीनी मिल, सीतापुर क्षेत्र में शैलेन्द्र वर्मा, अब्दुल बारी तथा आदित्यनाथ सिंह के गन्ना खेतों का करवाया गया। गन्ना के साथ मसूर, आलू, धनियां तथा सरसों की फसल देखकर सभी किसान बहुत खुश हुए।

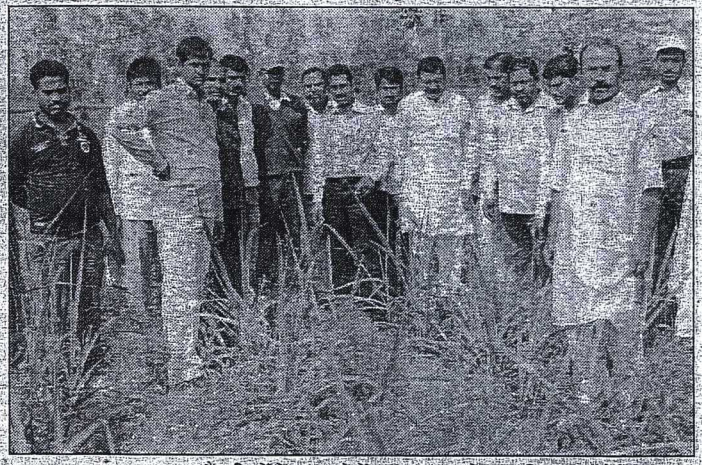

वैज्ञानिकों के साथ खेतों का भ्रमण करते गन्ना किसान। फोटो: एसएनबी

संस्थान के वैज्ञानिकों के सुझाए गए किसान फसल उत्पादन कर रहे हैं तथा प्रति हेक्टेयर दो-तीन लाख रुपये शुद्ध मुनाफा अर्जित कर रहे हैं। बिसवां के किसान संस्थान ने तकनीकों पर चर्चा कर विभिन्न विधियों को जाना तथा देखा। कार्यक्रम में आये किसानों ने नयी तकनीक से खेती कर अधिक लाभ अर्जित करने का निर्णय लिया।